तेरे एहसानों को कैसे मैं भुलाऊँगा भजन लिरिक्स

तेरे एहसानों को,
कैसे मैं भुलाऊँगा,
जब तक साँस चले,
महिमा तेरी गाऊँगा।bd।

तर्ज – आदमी मुसाफिर है।

ना जाने कितने,
उपकार तेरे,
संकट से लड़ता,
हर पल तू मेरे,
बिन तेरे ना मैं,
चल पाऊँगा,
तेरे एहसानो को,
कैसे मैं भुलाऊँगा,
जब तक साँस चले,
महिमा तेरी गाऊँगा।bd।

अँधियारा रस्ता,
लम्बा सफर है,
जब साथ तेरा,
फिर कैसा डर है,
छोड़ना ना हाथ,
बाबा गिर जाऊँगा,
तेरे एहसानो को,
कैसे मैं भुलाऊँगा,
जब तक साँस चले,
महिमा तेरी गाऊँगा।bd।

इज़्ज़त मिली मिला,
सम्मान कितना,
तूने किया कौन,
करता है इतना,
‘रूबी रिधम’ संग,
दर आऊँगा,
तेरे एहसानो को,
कैसे मैं भुलाऊँगा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जब तक साँस चले,
महिमा तेरी गाऊँगा।bd।

तेरे एहसानों को,
कैसे मैं भुलाऊँगा,
जब तक साँस चले,
महिमा तेरी गाऊँगा।bd।

Writer / Upload – Ruby Garg (Ruby Ridham)
9717612115

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com